हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 285 देहरादून, शनिवार, 06 मई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो एन के. जोशी ने की राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात

3

साधना और आध्यात्म का भव्य और दिव्य केन्द्र है डोल आश्रम : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा, 6 मई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डोल आश्रम पहुॅचकर श्री कल्याणिका हिमालय देवस्थानम के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने 1100 कन्याओं का पूजन करने के साथ ही नर-नारायण मूर्तियों का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने श्रीयंत्र में पूजा-अर्चना की और देश एवं प्रदेश की सुख समृद्वि की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि परम पूज्य महाराज कल्याणदास जी ने एक साधक के रूप में पॉच दशकों तक लगातार साधना की और सम्पूर्ण भारत वर्ष के अन्दर अनेकों ऐसे प्रकंल्प खड़े किये जिनके माध्यम से सामान्य घर में पैदा होने वाले, गरीब घर में पैदा होने वाले लोगों के उत्थान का कार्य, शिक्षा देने का कार्य, स्वास्थ्य सुविधा देने का कार्य, एवं उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने इस आश्रम में जिस प्रकार से श्रीयंत्र स्थापित किया है आने वाले समय में केवल भारतवर्ष ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लोग इस आश्रम में शान्ति, आध्यात्म और संस्कृति को जानने के लिए आयेंगे।

मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी लोगों को बुद्व पूर्णिमा की बधाई दी और महात्मा बुद्व के धर्म, शान्ति एवं अंहिसा के मार्ग पर चलने को कहा। उन्होंने कहा कि बाबा जी की जो सोच है कि आने वाले समय पर यहॉ से पलायन पर रोक लगे और यहॉ के लोगों को यहीं पर कार्य करने का अवसर मिले, इस क्षेत्र में यह केन्द्र सभी के अन्दर कही न कही जागृति लाने और उस दिशा में प्रेरित करने का कार्य भी कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आश्रम जहॉ एक ओर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है, वहीं युवाओं को भारतीय संस्कृति के बारे में शिक्षित करने का महान कार्य भी इसके माध्यम से हो रहा है। देवभूमि उत्तराखंड में जन्म लेना अपने आप में बहुत बड़ा सौभाग्य है। यह आश्रम हमारी जो पुरानी सभ्यता, संस्कृति है उसकी जीती-जागती मिशाल है। यह साधना और आध्यात्म का एक भव्य और दिव्य केन्द्र है। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नये उत्तराखण्ड का संकल्प लेकर निरन्तरता से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जागेश्वर धाम भी पॉचवें धाम के रूप में विकसित करने के लिए कार्य किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति की पताका सम्पूर्ण विश्व में लहरा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संस्कृति संरक्षण हेतु हमारी सरकार प्रतिबद्व है, इसके लिए हमारी सरकार एक कठोर धमार्न्तरण का कानून लेकर आयी है। हमारी सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि भूमि अतिक्रमण को भी समाप्त किया जायेगा तथा समान नागरिक संहिता को लागू किया जायेगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यहॉ पर 03 नये पार्किंग स्थल विकसित किये जायेंगे तथा आश्रम में जो संस्कृत विद्यालय संचालित किया जा रहा है उसका महाविद्यालय बनाने के लिए या विश्वविद्यालय बनाने का प्रयास किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि डोल आश्रम को पूज्य महाराज कल्याणदास जी ने स्थापित किया। उनकी सोच के अनुरूप धर्म, आध्यात्म, संस्कृति और शिक्षा के एक बड़े केन्द्र के रूप में यह आगे बढ़ रहा है एवं विकसित हो रहा है। उन्होंने महाराज जी का अभिनन्दन करते हुए कहा कि उन्होंने सम्पूर्ण जीवन यहॉ के लोगों की सेवा एवं परमार्थ के कार्यों में लगाया। उन्होंने कहा कि जो हमारा मानसखण्ड मन्दिरमाला मिशन है उस मिशन के अन्तर्गत यह आश्रम भी एक अंग के रूप में विकसित होगा तथा आने वाले समय में जिस प्रकार चारधाम यात्रा चलती है उसी प्रकार मानसखण्ड यात्रा एवं कैलाश मानसरोवर यात्रा भी चलेगी तथा उसका एक बहुत बड़ा पड़ाव डोल आश्रम तथा जागेश्वर धाम भी होगा। उन्होंने कहा कि शासन का जो मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन का मास्टर प्लान है वह पूर्णरूप से तैयार हो चुका है, उसकी शुरूआत जागेश्वर धाम से की जायेगी।

इस अवसर पर जागेश्वर विधायक मोहन सिंह मेहरा, विधायक अल्मोड़ा मनोज तिवारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविन्द सिंह कुंजवाल, पूज्य महाराज कल्याणदास जी, भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा, सुभाष पाण्डे, जिलाधिकारी वन्दना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रचिता जुयाल, सहित अनेक अखाड़ों के मंहत, अनेक जनप्रतिनिधि एवं श्रद्वालु उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन स्वामी हरि चैतन्य ने किया।

बुद्ध पूर्णिमा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। बुद्ध पूर्णिमा पर्व पर धर्मनगरी में लाखों श्रद्धालुओं ने हरकी पैड़ी समेत अन्य गंगा घाटों पर आस्था की डुबकी लगाई। सुबह सूर्योदय से ही हरकी पैड़ी समेत तमाम गंगा घाटों पर श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। हरकी पैड़ी पर श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते श्री गंगा सभा और पुलिस प्रशासन को व्यवस्था बनाने में काफी मेहनत करनी पड़ी।

गंगा स्नान का यह दौर सुबह से देर शाम तक जारी रहा। बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व पर शुक्रवार को तडक़े से ही हरकी पैड़ी व उसके आसपास के गंगा घाटों पर स्?नान और पूजन शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने हरकी पैड़ी पर ब्रह्म कुंड में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने दान पुण्य के साथ मंदिरों के दर्शन किए। मां मनसा देवी और चंडी देवी मंदिरों के दर्शन को श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। इधर, हाईवे पर वाहनों के दबाव के चलते पुलिसकर्मियों को यातायात

सुचारु चलाने के लिए पसीना बहाना पड़ा। श्रद्धालुओं की भारी आमद से व्यापारियों के भी चेहरे खिले रहे । मान्यता है कि गंगा स्नान करने से मां गंगा अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार आज के दिन गंगा स्नान, दान और भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी का पूजन विशेष फलदायी होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार इसी पूर्णिमा के दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था और इसी तिथि को कठिन साधना के बाद उन्होंने बुद्धत्व प्राप्त किया था।

गंगोत्री-यमुनोत्री धाम में 1.70 लाख ने किए दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। मौसम की दुश्वारियों के बीच भी गंगोत्री- यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में कमी नहीं आई है। प्रतिदिन हजारों की तादाद में बाहरी प्रान्तों से श्रद्धालु गंगोत्री और यममुनोत्री धाम में दर्शन के लिये आ रहे हैं। यात्रा के दो सप्ताह के अंदर ही 1.70 लाख श्रद्धालु दोनों धामों पर सुरक्षित दर्शन कर चुके हैं। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने गंगोत्री धाम यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर यात्रा रुट पर नियुक्त ड्यूटियों को चेक किया। उन्होंने बरसात व विपरीत परिस्थितियों मे ड्यूटी पर तैनात पुलिस के जवानों का हौसला अफजाई कर उनकी समस्याओं को सुना तथा सभी को सजग रहते हुये पुरे मनोयोग के साथ ड्यूटी करने की बात कही। यात्री पंजीकरण केन्द्र हीना पर तैनात सभी कर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ सभ्य एवं मृदु व्यवहार तथा यात्री रिकार्ड को सही तरीके से मेन्टेन करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही

संवेदशील स्थानों हेलगुगाड, स्वारीगाड, गंगनानी, डबरानी, सुक्की आदि का भौतिक निरीक्षण कर सुरक्षा के इन्तजामों का भी जायजा लिया। उन्होंने गंगोत्री धाम व घाट पर तैनात पुलिस बल, फायर, एसडीआरएफ व क्यूआरटी को घाटों पर सर्तक रहने तथा मन्दिर में श्रदालुओं को सीरियल के हिसाब से दर्शन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल से प्रारंभ हुई चारधाम यात्रा में अबतक 1.69114 तीर्थ यात्री गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के सुरक्षित दर्शन कर चुके हैं।

पहाड़ में महिलाएं उपवा के संग : डॉ अलकनंदा की सोच ला रही रंग

मैं भी छू सकती हूं आकाश - मौके की है मुझे तलाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 मई , पहाड़ की जीवटता और उनकी अनगिनत चुनौतियों से लड़ते हुए अपनी नयी पहचान बनाना देवभूमि की महिलाओं की सबसे बड़ी खूबी है। संघर्ष और संभावनाओं के इसी धूपछांव में न सिर्फ पुलिस परिवार बल्कि पुरे मातृशक्ति को उत्तराखंड पुलिस परिवार की अहम कड़ी मानी जाने वाली उपवा आत्मनिर्भरता के लिए बेहद शानदार अभियान चला रही है जिसका आपको जानना बेहद ज़रूरी है

इन तस्वीरों में जो महिलाएं आपको दिख रही हैं दरअसल वो अपने हांथों से अपना भविष्य बन रही है। इसमें मददगार बन रही है उपवा की संवेदनशील मुखिया डॉ अलकनंदा अशोक , जी हाँ अपने घर में फूलों का खुशबूदार संसार सजाने वाली और मशहूर लेखक और उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार की पत्नी डॉ अलकनंदा के प्रयासों से चमोली में पुलिस परिवार की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शानदार है। यहाँ पिरूल से विभिन्न प्रकार की सामग्रियां बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

UPWWA की अध्यक्षा डा0 अलकनन्दा अशोक की सोच ने धरातल पर मूर्त रूप लिया और चमोली एसपी प्रमेन्द्र डोबाल के निर्देशन में इसको साकार कर रही हैं पुलिस उपाधीक्षक/नोडल अधिकारी (उपवा) नताशा सिंह , जिनके नेतृत्व में पुलिस परिवार की महिलाओं को गोदाम्बरी देवी द्वारा पिरूल से विभिन्न प्रकार की सामग्रियां जैसे टोकरी, टी कोस्टर, फूलदान, प्लेट, मंदिर के लिए पूजा की टोकरी, जूड़े के लिए क्लिप आदि अन्य सजावट की सामग्रियां बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उपवा की इस पहल से महिलाओं में आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता की भावना जागृत हो रही है । उक्त प्रशिक्षण में पुलिस परिवार की महिलाओं द्वारा भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जाना सुखद कामयाबी है यहाँ इन महिलाओं में काफ़ी उत्साह देखने को मिल रहा है। उपवा के तहत पुलिस परिवार की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल का महिलाओं ने भी स्वागत किया है।प्रशिक्षण के दौरान महिला आरक्षी अनीता, महिला आरक्षी पिंकी व पुलिस परिवार की महिलाएं अभियान को आगे बढ़ा रही है।

बच्चे को बनाना है घरवालों का दुलारा, तो उसे जरूर सिखाएं ये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 मई , कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने से बच्चों को जिंदगी के प्रति एक सकारात्मक नजरिया रखने में मदद मिलती है। इससे बच्चों में उनके पास जो कुछ भी है, उससे संतुष्ट और ज्यादा के पीछे भागने से छुटकारा मिलता है। इससे चुनौतियों और मुश्किलों से लड़ने के लिए व्यवहार में फ्लेक्सिबिलिटी आती है और दूसरों के लिए सहानुभूति और करुणा की भावना पैदा होती है।कहने का मतलब यह है कि मां-बाप को कम उम्र से ही अपने बच्चों में कृतज्ञता का भाव विकसित करना शुरू कर देना चाहिए। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप बच्चों में यह गुण डाल सकते हैं।कृतज्ञता से जिंदगी के प्रति पॉजिटिव रवैया रखने में मदद मिलती है जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। जिंदगी में सिर्फ अच्छी चीजों पर फोकस कर के बच्चे ज्यादा लचीले बन सकते हैं और चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं। ये बच्चे अपने साथियों, परिवार और दुनिया के प्रति पॉजिटिव व्यवहार रखते हैं।

इसके अलावा कृतज्ञता का बच्चों की शारीरिक सेहत पर भी अच्छा असर पड़ सकता है जैसे कि इससे नींद में सुधार होता है और तनाव का स्तर कम होता है। यह दूसरों के प्रति दयालुता लेकर आता है और दूसरों को प्रोत्साहित करना सिखाता है। इससे व्यक्ति के दूसरों के साथ संबंध भी बेहतर होते हैं।पैरेंट्स, बच्चे को कई तरह से कृतज्ञता का पाठ सिखा सकते हैं जैसे कि थैंक्यू नोट लिखना सिखाकर या खुद इस तरह के काम करना, जो बच्चों को अपने व्यवहार में कृतज्ञता लाना सिखाए। बच्चे अपने मां-बाप को देखकर ही सीखते हैं इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे में यह गुण आए, तो आप उसे पहले खुद अपनाना शुरू करें। पैरेंट्स को बच्चों से प्यार से बात करनी चाहिए और अक्सर उनकी प्रशंसा करनी चाहिए।इस पैरेंटिंग टिप से आपके बच्चे में कृतज्ञता का भाव आ सकता है। ये कुछ ऐसे कीमती लाइफ स्किल्स है जो बच्चों को उनकी जिंदगी के हर क्षेत्र और पहलू में लाभ पहुंचाएंगे और उसे इसका फायदा आज ही नहीं बल्कि आने वाले कल में भी होगा।

भारत में सबसे कम होते हैं तलाक; बाकी देशों का देखिये हाल

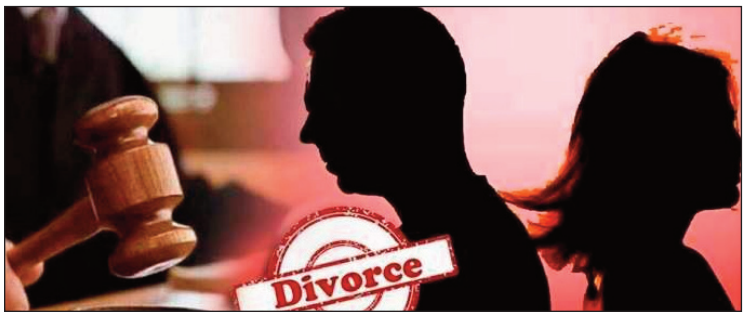

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 मई , भारत और भारत के लोग परिवारों और संस्कारों को महत्व देते हैं। यहां पर शादी का मतलब महज दो लोगों को विवाह नहीं होता है बल्कि आत्माओं परिवारों और संस्कारों का मिलन होता है। यहां पर दो परिवारों की शादी होती है। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सबसे कम तलाक के मामले होते हैं। यह रिपोर्ट वर्ल्ड ऑफ स्टैटिक्स ने जारी की है।रिपोर्ट में भारत, अमेरिका समेत तमाम मुल्कों का जिक्र है। ऐसे में आज हम 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा के साथ परिवार का महत्व समझेंगे और यह जानेंगे कि भारत में ही आखिर तलाक के मामले इतने कम क्यों हो हैं।'वसुधैव कुटुम्बकम', विश्व एक परिवार है... भारत प्रमुखता के साथ इस बात को स्वीकारता है और इसकी प्रमाणिकता उस वक्त और भी ज्यादा बढ़ जाती है, जब हम देखते हैं कि दूसरे मुल्क जब विपत्ति में होते हैं और हिंदुस्तान की तरफ देखते हैं तो उन्हें कभी भी निराशा का सामना नहीं करना पड़ता है, लेकिन क्या आप लोगों ने कभी सोचा है कि वसुधैव कुटुम्बकम की ताकत हमें कहां से मिलती है।

परिवार और संस्कृति से मिलती है ताकत

वसुधैव कुटुम्बकम की ताकत हमें हमारे परिवार और संस्कृति से मिलती है। जन्म के समय से ही बड़े बुजुर्ग संस्कारों की बात करने लगते हैं। अदब सिखाया जाता है, धार्मिक महत्वता से रूबरू कराया जाता है, ताकि कुटुम्ब की परिभाषा को चरितार्थ किया जा सके।कुटुम्ब यानी परिवार जिसका साफ सीधा मतलब है कि मिल जुलकर स्नेह के साथ रहना और विपत्ति के समय चट्टान की तरह मजबूती के साथ खड़े रहना। परिवार में न सिर्फ आत्ममुग्धता की बात नहीं होती, बल्कि अपनों की बात होती है। खुद से बढ़कर दूसरों की बात होती है। मैं से ज्यादा हम का महत्व होता है। तभी तो पारिवारिक ताना बाना मजबूत होता है और रही बात शादी-ब्याह और तलाक की तो सबसे पहले हम आप लोगों को आंकड़ें बता देते हैं।

कहां होते हैं सबसे कम तलाक ?

भारत में सबसे कम तलाक होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में तलाक रेट महज एक फीसदी है, जबकि वियतनाम में 7 फीसदी, तजाकिस्तान में 10 फीसदी, ईरान में 14 फीसदी, मैक्सिको, मिस्र और साउथ अफ्रीका में 17-17 फीसदी, ब्राजील में 21 फीसदी, तुक्रिये में 25 फीसदी है।

श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो एन के. जोशी ने की राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शुक्रवार को राजभवन में श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एन के. जोशी ने शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को विश्वविद्यालय की गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध करायी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कुलपति से कहा कि विश्वविद्यालय, प्रधानमंत्री जी की ळ-20 मुहीम को आगे ब?ाने के लिए सभी सम्बद्ध कॉलेजों में ल्-20 युवा मंथन कार्यक्रम आयोजित करे। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को वैश्विक चुनौतियों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। युवा मंथन मॉडल के माध्यम से टीम बिल्डिंग, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, बहुपक्षीय वार्ता और राष्ट्रीय सुरक्षा के विषयों पर वार्ता का अवसर मिलेगा जो उनके लिए लाभकारी होगा। उन्होने कहा सभी कॉलजों में यह कार्यक्रम सुनिश्चित किए जांए। राज्यपाल ने कुलपति से कहा कि विश्वविद्यालय में ईआरपी सिस्टम विकसित करें जिससे विद्यार्थियों को डिग्री, मार्कशीट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट के लिए उन्हें विश्वविद्यालय न आना प?े। उन्होंने कहा कि फैकल्टी को नवीनतम तकनीकी की जानकारी हेतु उनके लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जाए। इसके लिए ऋषिकेश कैंपस में फैकेल्टी डवलपमेंट सेन्टर बनाया जाय जिससे विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों की फैकल्टी को उसमें प्रशिक्षण दिया जाय ।

राज्यपाल ने कुलपति को यह भी निर्देश दिए कि श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय से सम्बद्ध एक ऐसे कॉलेज का चयन करें जिसमें बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे सिविल सेवा, बैंकिंग, रक्षा सेवाओं के लिए तैयारी करायी जा सके। इसके लिए कॉलेज अवस्थापना एवं बालिकाओं की सुरक्षा आदि के दृष्टिगत उपयुक्त हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाय।

नैनीताल में मूसलाधार बारिश, तीन ग्रामीण सड़कें बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल। नैनीताल में लगातार हो रही बारिश ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। शुक्रवार को बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से सडक़ों पर कई जगह मलबा आ गया। मलबा आने से तीन ग्रामीण सडक़ें बंद हो गईं। वहीं अल्मोड़ा एनएच पर दिनभर पत्थर गिरने से वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नैनीताल में करीब एक सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है। शुक्रवार को भी सुबह से ही कोहरा और कुछ देर गुनगुनी धूप रही, लेकिन दोपहर बाद एकाएक मौसम ने करवट बदल ली। मूसलाधार बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। दोपहर करीब ढाई बजे शुरू हुई बारिश देर शाम तक जारी रही, जिससे सर्दी में इजाफा हो गया। इस दौरान नैनीताल घूमने आए पर्यटकों के साथ ही स्थानीय लोगों ने भी आवाजाही में फजीहत का सामना किया। आपदा कंट्रोल रूप से मिली जानकारी के अनुसार बारिश के बाद जिले की तीन ग्रामीण सडक़ें बंद हैं। जिसमें रातीघाट-बुधलाकोट, हरतपा-हली तथा परेड़ा-देवनगर शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों को जोडने वाले एकमात्र मोटर मार्ग बंद होने से ग्रामीणों को खासी परेशानी हुई। वहीं बारिश के बीच भवाली मार्ग पर जोखिया एवं कैलाखान के पास सडक़ पर मलबा गिरता रहा। कालाढूंगी मार्ग पर खुर्पाताल क्षेत्र में मलबा आने से यातायात प्रभावित रहा। भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर खैरना-गरपानी के समीप कई क्षेत्रों में दिनभर पहाड़ी से पत्थर गिरते रहे। यह क्षेत्र आपदा की दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। ऐसे में यहां से आवाजाही कर रहे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भारी वर्षा के दौरान नैनीताल की नैनी झील में गिरने वाले नाले भी उफान पर रहे। जिला मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी संजय पंवार के अनुसार शुक्रवार को नगर में अधिकतम तापमान 13 जबकि न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन शाम के समय पारे में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट देखी गई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों का सम्मानित किया

ऋषिकेश। हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन ने डोईवाला के समाजसेवियों को सम्मानित किया। वक्ताओं ने समाजसेवियों को प्रोत्साहित करने की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरिद्वार सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि समाज में अच्छे कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि उनका मनोबल बढ़े। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि समाजसेवियों को उचित सम्मान मिलना चाहिए, ताकि वे अग्रसर होकर अन्य लोगों की मदद कर सकें। इस दौरान उत्तराखंड पुलिस से रविंद्र टम्टा, हंसराज, देवेंद्र नेगी, स्वरोजगार से जुड़ी महिलाएं कोमल देवी, रीता नेगी, नीलम नेगी, मेडिकल क्षेत्र से जुड़े डॉ. कुंवर सिंह भंडारी, सामाजिक कार्यकर्ता ग्राम प्रधान सुधीर रतूड़ी, सभासद मनीष धीमान सम्मानित हुए। मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट, समाजसेवी अजय कुमार, शुगर मिल ईडी दिनेश प्रताप सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, बीजेपी जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा, राजेंद्र तडियाल, हेमा पुरोहित, करतार नेगी, पुरूषोत्तम डोभाल, ग्राम प्रधान सुधीर रतूड़ी, मनीष धीमान, गौरव मल्होत्रा, ईश्वर अग्रवाल, मंजू नेगी, नीलम नेगी, कोमल देवी, पूनम चौधरी आदि मौजूद रहे।

पुलिस अभिरक्षा से भागा आरोपी 3 दिन बाद गिरफ्तार

बागेश्वर। पुलिस अभिरक्षा से भागा गया एनडीपीएस एक्ट का आरोपी तीन दिन बाद फिर पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। इसे पकडने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्त करनी पड़ी। आरोपी उन्हें नदियों से लेकर जंगलों में छिपकर छकाता रहा। उसे पकडने के लिए ड्रोन कैमरे का भी इस्तेमाल किया। आखिरकार पुलिस ने उसे गुरुवार की रात पकड़ लिया। शुक्रवार को मेडिकल के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश के बाद जेल भेज दिया है।

मामले का खुलासा करते हुए सीओ अंकित कंडारी ने बताया कि वारंटी धीरज थापा पुत्र धन सिंह थापा निवासी किरायेदार पप्पू दफौटी नुमाईशखेत पुलिस को चमका देकर भाग गया था। उसकी तलाश में पुलिस दिन रात जुटी रही, लेकिन शातिर थापा पुलिस चमका देता रहा। मामले में पुलिस ने एक और धारा लगाकार कोतवाल कैलाश नेगी के नेतृत्व में टीम गठित की। पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने लगातार तीन दिन, तीन रात संभावित स्थानों पर दबिश दी। वाहनों को चेक किया। ड्रोन कैमरे की मदद से क्षेत्र के घने जंगलों, नदी किनारे व नुमाईंशखेत, चंडिका मंदिर, नई बस्ती, चौरासी, सैंज, भुरचुनिया धार, दफौट, पाटन, मोहननगर, माल्ता, मेहनरबूंगा, पगना, गाडग़ांव आदि स्थानों पर कॉबिंग की। गुरुवार की रात साढ़े दस बजे करीब प्रावि गाडग़ांव के पास उसे गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश के बाद अल्मोड़ा जेल भेज दिया है।

20 पुलिस की टीम लगी रही पकडने में: फरार वारंटी को पकडने में पुलिस के पसीने छूट गए। कोतवाल कैलाश नेगी समेत 20 पुलिस कर्मी लगे रहे। पकडने वाली टीम में एसएसआई खष्टी बिष्ट, एसआई गोविदं बल्लभ भट्ट, मीना रावत, हेड कांस्टेबल बसंत पंत, सुनील बहुगुणा, सुरेश आर्या, रवेंद्र सिंह, अंबा दत्त, रंजीत सिंह, कांस्टेबल नरेंद्र गोस्वामी, गिरीश बजेली, मनीष गोस्वामी, नीरज वाणी, जितेंद्र सिंह,कैलाश तिरुवा के अलावा एसओजी प्रभारी एसआई प्रह्लाद सिंह, रमेश सिंह संतोष सिंह, भुवन बोरा व राजेंद्र प्रसाद शामिल रहे।

लापरवाही मिली तो होगी कार्रवाई: जिन पुलिस कर्मियों को चमका देकर आरोपी भागा उनके खिलाफ जांच चल रही है। सीओ कंडारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक हिमांशु वर्मा इन दिनों अवकाश पर हैं। उनके आने के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी।

आपदा पीडित के घर पहुंची रेडक्रॉस की टीम

बागेश्वर। न्याय पंचायत अमसरकोट के रतबे निवासी चंदन सिंह पुत्र लाल सिंह के घर रेडक्रॉस सोसायटी की टीम पहुंची। यहां पहुंचकर टीम ने पीड़ित को राहत सामग्री दी। इसके तिरपाल के अलावा बाल्टी राशन आदि सामग्री शामिल थी। इस मौके पर रेडक्रॉस के चेयरमैन संजय साह जगाती, सचिव आलोक पांडे, इंद्र सिंह फस्वाण, जगदीश जोशी, कन्हैया वर्मा आदि मौजूद रहे। उधर गरुड़ तहसील के बंतोली देवनाई में रेखा देवी पत्नी दयाकृष्ण का मकान गत दिनों क्षतिग्रस्त हो गया था। शुक्रवार को रेडक्रॉस ने राहत सामग्री बांटी। पीड़िता को कंबल, तिरपाल, वाल्टी, बर्तन सेट, राशन, हाईजिन किट दिया गया। इस मौके पर प्रदेश प्रतिनिधि दीपक पाठक, आलोक पांडे, उमेश जोशी कन्हैया वर्मा, महेश पंत,योगेश गोस्वामी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष का स्वागत किया

हरिद्वार। जय मां मिशन की परमाध्यक्ष साध्वी शरण ज्योति मां के नेतृत्व में मिशन की साध्वियों जीवन ज्योति मां व पूजा ज्योति मां ने कनखल स्थित श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि संत महापुरुषों को जीवन सदैव राष्ट्र कल्याण के लिए समर्पित होता है। जय मां मिशन की अध्यक्ष साध्वी शरण ज्योति ने कहा कि ब्रह्मलीन उषा माता एवं ब्रह्मलीन स्वामी महादेव महाराज द्वारा स्थापित सेवा परंपरा का पालन करते हुए जय मां मिशन दीन दुखियों व जरूरतमंदों की सेवा में निरंतर योगदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सच्ची साधुता है। साध्वी जीवन ज्योति मां ने कहा कि गुरु ही परमात्मा का दूसरा स्वरूप हैं। गुरु के बताए मार्ग पर चलने से ही शिष्य का कल्याण होता है। पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने जय मां मिशन की साध्वियों का स्वागत करते हुए कहा कि परमार्थ और सेवा सनातन धर्म की विशेषता है। संत समाज के सानिध्य में सनातन धर्म का पूरे विश्व में विस्तार हो रहा है। इस अवसर पर महंत सूर्यमोहन गिरी, महंत कृष्णानंद, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी दिनेश दास आदि उपस्थित रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर विश्व भर के 24 लाख घरों में गायत्री यज्ञ सम्पन्न

हरिद्वार। विश्व कल्याण एवं वसुधैव कुटुंबकम के भाव से गायत्री परिवार का आध्यात्मिक प्रयोग के अंतर्गत गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ का आयोजन बुद्ध पूर्णिमा को सम्पन्न हुआ। वैश्विक स्तर पर चौबीस लाख से अधिक घरों में औषधीय ज?ी-बूटी के साथ गायत्री यज्ञ में आहुतियां डाली गई। यह कार्यक्रम प्रातः नौ बजे से एक साथ-एक समय में शुभारंभ हुआ। इसका शुभारंभ गायत्री परिवार प्रमुख डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी के गायत्री तीर्थ में दीप प्रज्वलन से हुआ। डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि इन दिनों वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संकट सहित अनेक समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि विश्व शांति एवं विश्व कल्याण के लिए देश-विदेश के गायत्री साधकों ने अपने-अपने घरों में एक साथ-एक समय में गायत्री यज्ञ सम्पन्न किया। यज्ञ के माध्यम से हम अपनी आहुति ब्रह्माण्ड को देते हैं। यह आयोजन आध्यात्मिक प्रयोग के अंतर्गत सम्पन्न हुआ। सामूहिक रूप से किये गए आध्यात्मिक अनुष्ठान प्राणी मात्र के लिए संजीवनी की तरह होती है। संस्था की अधिष्ठात्री शैलदीदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति की मूल आधार यज्ञ पिता (सत्कर्म) और गायत्री माता (सद्ज्ञान) है। उन्होंने यज्ञीय आयोजन को सर्वश्रेष्ठ कर्म बताते हुए कहा कि सम्पूर्ण मानवता के कष्ट का समूल नाश करना है, तो यज्ञीय जीवन जीना होगा। आयोजन के समन्वयक केपी दुबे ने बताया कि देश-विदेश के 24 लाख से अधिक घरों में एक साथ-एक समय में गायत्री यज्ञ का आयोजन हुआ। इसमें से बहुसंख्य लोग शांतिकुंज से आनलाइन संचालित हुए यज्ञीय प्रक्रिया से जु?े। वहीं अनेक लोगों ने यज्ञ का संचालन स्वयं अथवा स्थानीय प्रज्ञा संस्थानों से जु?े पुरोहितों से सम्पन्न करवाया।

सेवानिवृत्ति पर प्रो.मनुदेव की शैक्षणिक सेवाओं को याद किया

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विवि में वेद विभाग के अध्यक्ष तथा प्राच्य विद्या संकाय के डीन प्रो. मनुदेव बंधु की सेवानिवृत्ति पर विवि के कुलपति प्रो. सोमदेव शतांशु ने कहा कि प्रो.बंधु की 42 वर्ष की अवधि की शैक्षणिक सेवाएं सदा स्मरणीय रहेंगी। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने प्रो. बंधु को विदाई समारोह में बधाई देते हुए उनकी वेद के प्रति रुचि की सराहना की। प्रो. विनय विद्यालंकार, वेद विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. भारत भूषण विद्यालंकार ने विचार रखे। इस अवसर पर गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर के डा. सुशील कुमार, डॉ. विजयकुमार त्यागी, शिक्षणेतर संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार, प्रो. सुरेन्द्र कुमार त्यागी, प्रो. ब्रह्मदेव विद्यालंकार, डॉ. दीनदयाल वेदालंकार, डॉ, संगीता विद्यालंकार, डॉ. बबलू वेदालंकार, डॉ. विपिन बालियान, गिरीश सुन्दरियाल, प्रो. रामप्रकाश वर्णी, हेमन्त नेगी, डॉ. भारत वेदालंकार आदि मौजूद थे। संचालन प्रो. सत्यदेव निगमालंकार ने किया।

अधिवक्ता राजेश रस्तोगी करेंगे राहुल गांधी की पैरवी

हरिद्वार। हरिद्वार की सीजेएम कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ दायर परिवाद में पैरवी की जिम्मेदारी अधिवक्ता राजेश रस्तोगी को दी गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने पत्र लिखकर अधिवक्ता राजेश रस्तोगी को पैरवी के लिए अधिकृत किया है। शुक्रवार को अधिवक्ता राजेश रस्तोगी ने बताया की सीजेएम कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मुकदमे की पैरवी के लिए वकीलों का एक पैनल तैयार कर मजबूती से अदालत में पैरवी की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा के निर्देश पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव चौधरी और महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी वकीलों के साथ विचार-विमर्श कर मजबूती से राहुल गांधी की तरफ से पैरवी करेंगे। जल्द ही इस मामले को लेकर मजबूत रणनीति तैयार की जाएगी।

कूड़े के ढेर में भ्रूण मिलने से सनसनी

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र में कूड़े के ढेर में भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। करीब आठ माह के बालक के भ्रूण को स्थानीय पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। महिला एसआई पूजा मेहरा की तरफ से इस संबंध में अज्ञात में मुकदमा दर्ज कराया गया है। सुबह के समय स्थानीय नागरिकों ने कपड़े में लिपटा हुआ भ्रूण मिलने पर स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर रानीपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि भ्रूण बालक का है और करीब सात आठ दिन का प्रतीत होता है। पुलिस ने स्थानीय नागरिकों से इस संबंध में बातचीत की तब कोई क्लू नहीं मिला। पुलिस ने फिर भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कोतवाली प्रभारी नरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि महिला एसआई की तरफ से नवजात के पैदा होने के बाद उसे छिपाने के मकसद के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह साफ हो सकेगी।

युवक से ऑनलाइन ठगे चार लाख रुपये

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र के नवोदय नगर निवासी एक युवक को व्हाट्सएप पर आया लिंक खोलना भारी प? गया। युवक को करीब सा?े चार लाख रुपये की चपत लग गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात ठग के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि 19 अप्रैल को उसके व्हाट्सएप पर एक लिंक आया। लिंक को खोलने पर घर बैठे पार्ट टाइम काम दर्शाया गया। जब उस लिंक को खोला गया तो इंस्टाग्राम पर ग्रुप ज्वाइन हुआ। उसमें करीब तीन हजार रुपये जमा करने की बात कही है। तीन हजार रुपये जमा करने के कुछ समय बाद वह रुपये कमीशन के साथ वापस लौटा दिए गए। इसी तरह धीरे-धीरे कर चार लाख रुपये से अधिक ट्रांसफर कर दिए। लेकिन वह रुपये वापस नहीं आए।

हाथियों ने गन्ने और गेहूं की फसलें बरबाद की

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव बिशनपुर कुंडी व रानीमाजरा में प्रतिदिन आ रहे हाथियों से किसानों को राहत नहीं मिल पा रही है। गुरुवार रात आये हाथियों के झुंड ने किसानों की लगभग पांच बीघा गन्ना और खेतों में कटाई के बाद प?ी गेंहू की फसल बरबाद कर दी। वनकर्मियों और किसानों ने क?ी मशक्कत के बाद हाथियों को गंगा पार जंगलों में भगाया। गुरुवार रात हाथियों का एक झुंड गांव बिशनपुर कुंडी व रानीमाजरा के नजदीक खेतों में आ धमका।

किच्छा में दशकों से जमा कचरे के पहाड़ को हटाने का काम तेज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर , 6 मई , किच्छा रोड पर दशकों से जमा हुए कचरे के पहाड़ को हटाने का काम नगर निगम रुद्रपुर की ओर से युद्ध स्तर पर जारी है। मेयर रामपाल सिंह और नगर आयुक्त विशाल मिश्रा ने कचरा निस्तारण के कार्यों का मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। मेयर रामपाल सिंह और नगर आयुक्त विशाल मिश्रा ने जेसीबी पर बैठ कर ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरक्षण किया इस दौरान नगर आयुक्त विशाल मिश्रा कचरा निस्तारण के काम में लगी कार्यदायी संस्था के काम से संतुष्ट नज़र नही आए उन्होनें बताया कि 80% कूड़े का निस्तारण किया जा चुका है शेष बचे कूड़े को हटाने के लिए कार्यदाई संस्था के अधिकारी को तीन माह के भीतर कूड़ा हटाने के लिए निर्देशित किया तीन माह में कूड़ा ना हटने पर नोटिस जारी करने की बात कही ।

आपको बता दें किच्छा रोड स्थित ट्रचिंग ग्राउण्ड में कचरे के पहाड़ को हटाने का अभियान नगर निगम की ओर से शुरू किया गया था। जो अब युद्ध स्तर पर चालू है। कचरे को हटाने की मांग लम्बे समय से की जा रही थी। जिसके लिए कई बार आंदोलन भी किये गये। मेयर रामपाल सिंह ने चुनाव के दौरान शहरवासियों से किच्छा रोड पर ट्रचिंग ग्राउण्ड को हटाने का वायदा करते हुए उसे अपने घोषणा पत्र में शामिल किया था। अपनी घोषणा के मुताबिक उन्होने कचरे के पहाड़ को हटाने के लिए कार्ययोजना तैयार की और कचरे को निस्तारित करने का काम दिल्ली की एक संस्था को दिया गया।

दिल्ली की संस्था ने कचरे को निस्तारित करने के लिए ट्रोमल कन्वेयर मशीन स्थापित की है। जिसके माध्यम से कचरे की छनाई की जा रही है। आज मेयर रामपाल सिंह और नगर आयुक्त विशाल मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर कचरे की छटाई के काम का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को जल्द से जल्द कचरे को निस्तारित करने के निर्देश दिये। इस दौरान मेयर ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाना उनकी प्राथमिकता है।

स्वच्छता के मामले में वह रूद्रपुर शहर को शीर्ष पर लाना चाहते हैं। इसके लिए शहर-वासियों का सहयोग भी आवश्यक हैं। शहर-वासियों के सहयोग के बिना शहर को स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को गंभीरता से लेते हुए शहर में सफाई के पुख्ता इंतजाम किये हैं। शहर के सभी वार्डों में घर घर कूड़ा निस्तारण के लिए वाहन लगाये गये हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को कूड़ा सड़क पर या नालियों में डालने की आदत को छोड़ना होगा। तभी हम शहर को स्वच्छ और सुंदर बना पायेंगे।

सेहत की बात : कहीं मिलावट दूध तो नहीं पी रहे आप ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 मई , मिलावट वाला दूध पीने से आपका स्वास्थ्य खतरे में पड़ सकता है. इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल करके आप मिलावटी दूध की पहचान कर सकते हैं.दूध हमारे ब्रेकफास्ट का जरूरी हिस्सा होता है. कई लोग पूरे दिन एनर्जी का लेवल बरकरार रखने के लिए ब्रेकफास्ट में दूध का सेवन करना पसंद करते हैं. हालांकि आजकल हर चीज में मिलावट की जाने लगी है. ऐसे में आपके लिए यह जरूरी हो गया है कि आप किसी भी चीज का सेवन करने से पहले इसकी पौष्टिकता की जांच अच्छी तरह से कर लें. क्योंकि मिलावटी फूड आइटम्स को खाने से कई गंभीर बीमारियों का खतरा पैदा हो सकता है. बाकी फूड आइटम्स की तरह ही दूध में भी मिलावट होने लगी है. मिलावट वाला दूध पीने से आपका स्वास्थ्य खतरे में पड़ सकता है. इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल करके आप मिलावटी दूध की पहचान कर सकते हैं.

कैसे करें मिलावटी दूध की पहचान?

दूध में आमतौर पर माल्टोडेक्सट्रिन पाउडर, रिफाइंड आयल और हाइड्रोजन पॉक्साइड की मिलावट होती है. ऐसे में आप या तो दूध को सूंघकर या फिर दूध को चखकर ही इसकी शुद्धता का पता लगा सकते हैं. नकली दूध काफी पतला होगा. इसका टेस्ट भी प्योर दूध से बहुत अलग होगा. दूध में मिलावट का पता लगाने के लिए आप इन 2 तरीकों को आजमा सकते हैं.

1. जमीन पर दूध की कुछ ड्रॉप्स गिराएं

शुद्ध दूध की पहचान करने के लिए आपको सबसे पहला काम दूध की कुछ ड्रॉप्स को जमीन पर गिराने का करना है. दूध की 2-3 बूंदों को जमीन पर गिराएं और चेक करें कि दूध किस तरह से बह रहा है. अगर दूध धीरे-धीरे बहकर सफेद निशान छोड़ रहा है तो ये दूध शुद्ध है. लेकिन अगर दूध जमीन पर गिरते ही तेजी से बहने लग जाए तो समझ जाएं कि इसमें मिलावट की गई है.

2. लिटमस टेस्ट

मिलावटी दूध की पहचान करने के लिए आप लिटमस पेपर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. लिटमस पेपर पर दूध की दो बूंद गिराएं और चेक करें. अगर दूध में यूरिया की मिलावट होगी तो लिटमस पेपर का रंग लाल से नीला हो जाएगा. लेकिन अगर पेपर का रंग जस का तस रहे तो समझ जाएं कि इसमें मिलावट नहीं की गई है.

तीर्थस्थल की मर्यादा तोड़ी तो पौड़ी पुलिस का डंडा तैयार है !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 6 मई , अगर आप तीर्थटन करने वाले सैलानी है या धार्मिक यात्री हैं तो ध्यान दीजिये कि इस खूबसूरत और पवित्र देवभूमि में आकर कोई अमर्यादित काम न हो जाए। उत्तराखंड मित्र पुलिस की गुज़ारिश है मर्यादा न तोड़ें नहीं तो आपके रंग में खाकी का भंग आड़े आ जाये। ये सन्देश दिया है वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे की टीम ने जिसने मिशन मर्यादा के तहत तीर्थस्थलों व गंगा घाटों पर अमर्यादित आचरण करने वाले 7 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की है।

पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड के आदेशों के क्रम में एवं वर्तमान में चल रही चारधाम यात्रा के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को अपने अपने थाना क्षेत्रों के तीर्थस्थलों पर मर्यादा तथा पर्यटक स्थलों पर स्वच्छता बनाये रखने हेतु मिशन मर्यादा अभियान के अंतर्गत तीर्थस्थलों एवं गंगा किनारे मादक पदार्थों का सेवन करके हुड़दंग, अमर्यादित आचरण करने वालों व नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। जिसके

क्रम में कार्यवाही करते हुए जनपद की थाना लक्ष्मणझूला पुलिस द्वारा गंगा घाटों पर मिशन मर्यादा का उल्लंघन करने पर 7 व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्यवाही की गयी। जनपद में उक्त अभियान के तहत कार्यवाही जारी रहेगी । तो आप देवभूमि के पवित्रता का अनुभव कीजिये लेकिन मर्यादा में रहकर

छींक आने से फट गईं दिमाग की नसें, आप न कीजिये ये गलती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 मई , अमेरिका का एक शख्स बार-बार आ रही छींक से इतना परेशान हो गया कि उसने जबर्दस्ती छींक रोकने की कोशिश की। इसके चलते उसे इतनी तेज छींक आई कि उसके दिमाग की नसें फट गईं। इतना ही नहीं उसके ब्रेन में खून बहने लगा। इस घटना के बाद लगा कि अब उसका बच पाना नामुमकिन है, लेकि-नडॉक्टरों ने उसकी जान बचा ली। जान बचाने लिए इस शख्स की तीन सर्जरी करनी पड़ी, तब जाकर उसकी जान बच पाई।अमेरिका के अलबामा शहर के रहने वाले 26 वर्षीय सैम मेसीना (Sam Messina) ने बताया कि वे बिस्तर पर लेटे हुए थे, तो उन्हें बार-बार छींक आ रही थी। इसके चलते उन्होंने छींक रोकने की कोशिश की, लेकिन अचानक उन्हें काफी तेज छींक आई और ब्रेन की नसें फट गईं। और फिर नाक से खून की धार बहने लगी। उन्होंने कहा, ₹मुझे दौरा भी पड़ा और मैं बेहोश हो गया। उस वक्त मुझे मर जाना चाहिए था लेकिन भगवान का शुक्र है कि मैं जिंदा बच गया।₹

मेसीना के ब्रेन से बह रहा था खून

मेसीना ने बताया कि बेहोश होने से पहले उन्होंने अपनी मां को फोन किया। इसके बाद उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड को इस बारे में बताया। वे उन्हें अस्पताल ले गए।जब डॉक्टरों ने मुझे देखा तो मेरे ब्रेन से खून बह रहा था। उस अस्पताल में इस तरह के इलाज की सुविधा नहीं थी, इसलिए इमरजेंसी में दूसरे अस्पताल भेजा गया, जहां एक हफ्ते में मेरी तीन बार सर्जरी हुई। मेसीना ने आगे कहा कि मेरे सिर मे 27 टांके लगे और मुझे महीनेभर अस्पताल के आईसीयू में रहना पड़ा, तब जाकर हालत में सुधार हुआ। हालांकि, मैं अभी भी पूरी तरह स्वस्थ्य नहीं हूं। कभी कभी चक्कर आ जाता है।

आर्टिरियोवेनस मेलफॉर्मेशन का शिकार

डॉक्टरों के मुताबिक,मेसीना आर्टिरियो-वेनस मेलफॉर्मेशन (arteriovenous malformation) नामक एक बीमारी के साथ पैदा हुए थे। इसमें जब दिमाग में नसों को जोड़ने वाली ब्लड वेसल (blood vessels) उलझ जाती हैं या उनमें असामान्य कनेक्शन बन जाता है तो उससे खून का थक्का बन जाता है। डॉक्टरों के बताया कि जब मेसीना को तेज छींक आई तो उनकी इसी थक्के में विस्फोट हुआ और नसें फट गईं। उन्होंने बताया कि यह जानलेवा होता है। इससे आपकी मौत तक हो सकती है।

जानलेवा हो सकता है छींक रोकना

ऐसे में अगर आप भी छींक रोकने की कोशिश करते हैं तो आपको सावधान रहने की जरूरत है। ऐसा करना आपके लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इसके अलावा इससे आप आप बहरे हो सकते हैं और आपके दिमाग की नसें भी फट सकती हैं। इसलिए आपको कभी भी छींक आए, तो उसे रोकने से बचें।

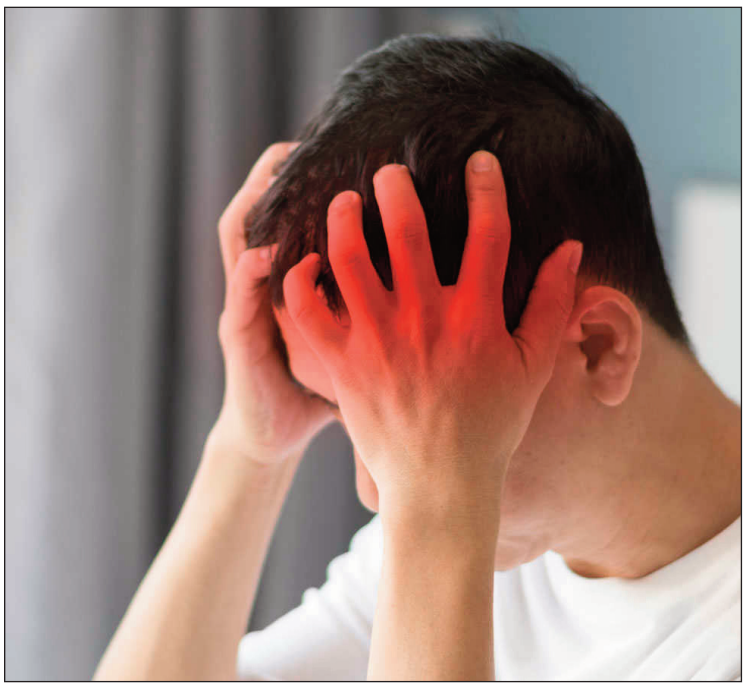

जानिए इन बदलते मौसम वायरल से कैसे लड़ें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 6 मई , उत्तराखंड के मौसम का मिजाज इन दिनों बिगड़ा हुआ है। कभी तेज बारिश हो रही है तो कभी भीषण गर्मी पड़ रही है।ऐसे में बीमार होने के चांस ज्यादा होते हैं, जिसमें वायरल एक बड़ा नाम है। वायरल बुखार का अर्थ है वायरल संक्रमण की प्रचुरता, जो शरीर का सामान्य तापमान बढ़ा देता है। कमज़ोर प्रतिरोधी क्षमता की वजह से ये बच्चों और वृद्धों की आम बीमारी है।

जब कोई बीमार खांसता है, जम्हाई लेता है, छींकता है, या बोलता है तो उसके मुंह से तरल की बेहद छोटी बूंदें निकलती हैं, जिनमें बैक्टीरिया या वायरस होता है। अगर आप उस व्यक्ति के करीब खड़े हैं तो ये बैक्टीरिया आपके शरीर में नाक या मुंह के रास्ते प्रवेश कर जाता है और आप भी बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं। एक बार बीमारी के ग्रस्त होने के बाद उसे उभरने में 16 से 48 घंटे लगते हैंचुंकि वायरल बुखार के लक्षण कई अन्य बीमारियों के लक्षण जैसे होते हैं, आपके लिए इस बीमारी के विशेष लक्षण जानना आवश्यक है, ताकि वायरल बुखार और दूसरी बीमारियों के बीच फर्क करना आसान हो जाए। आपको शरीर के उच्च ताप की जांच करनी है, जो निम्नलिखित वजहों से हो सकते हैं:नियमित अंतराल पर होनेवाले बुखारकंपकंपी के साथ बुखार आनादवाओं के इस्तेमाल से भी बुखार कम ना होनालम्बे समय तक बुखार रहनाबुखार के कुछ और लक्षण हैं जोड़ों के पास दर्द होना, शरीर में दाने निकलना, चेहरा फूल जाना और उल्टियां होना। आप आपमें ऐसे कोई भी लक्षण मिलते हैं तो फौरन अपने डॉक्टर के पास जाएं।

अगर आपको बुखार हो गया है तो पूरी तरह आराम करें। जब तक ठीक नहीं हो जाते, गर्म और तरल भोजन, जैसे सूप और खिचड़ी खाएं। अगर आपको तेज बुखार और शरीर में दर्द हो रहा हो, तो अपने डॉक्टर को फौरन दिखाएं।हमारी सलाह है कि बीमार होने पर खुद बुखार दूर करने वाली दवा, एंटीबायोटिक दवा और दर्द दूर करने वाली दवाएं ना लें। आपके लिए ये जानना बेहद ज़रूरी है कि वायरल बुखार में एंटीबायोटिक दवाएं किसी काम की नहीं होतीं। एंटीबा-योटिक दवाएं बैक्टीरिया को दूर करने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं, वायरस दूर करने के लिए नहीं; लिहाजा ऐसी दवाएं लेने पर बिना मतलब एसिडिटी और पेट की बीमारियों को आमंत्रित कर रहे हैं।

गर्मियों में जरूर करें इनका सेवन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गर्मी का मौसम धीरे-धीरे अपना रूप दिखा रहा है। यहाँ तक की अब पहाड़ो में भी पारा तेज़ी से बढ़ रहा है। ऐसे में गर्मियां आते ही बाहर गर्मी और उमस हो जाती है। खूब पानी पीने से लेकर ठंडा खाना खाने तक, लोग गर्मी को मात देने के लिए बहुत कुछ करते हैं। बढ़ते पारा के स्तर के साथ, चिलचिलाती धूप आपको सारी ऊर्जा से बाहर कर सकती है । तो आज न्यूज़ वायरस आपको ऐसे खाद्य पदार्थ के बारे में बताएगा। जो आपको इन गर्मी में ठंडा रखने और सेहतमंद रखने में मदद करेगा। सबसे ज़रूरी बात ये खाद्य पदार्थ आपके जेब पर भारी पड़े बिना आपके शरीर को ठंडा रखने में मदद कर सकते हैं। तो चलिए बताते है आपको इन गर्मियों में फायदेमंद होने वाले खाद्य पदार्थ के बारे में :-

तरबूज

बच्चों से लेकर ज्यादा उम्र के लोगों तक सबका ये पसंदिता एक स्वादिष्ट और ताजा फल है जो गर्मी को मात देने में आपकी मदद कर सकता है। आपको बता दे 92% पानी से बना, यह एक उत्कृष्ट हाइड्रेटिंग फल है। यह लाइकोपीन, एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन ए, बी6, और सी, पोटेशियम और अमीनो एसिड से भी भरपूर है।₹ यह स्वस्थ फल न केवल आपके शरीर को ठंडा करने में मदद करेगा, बल्कि यह वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए कम कैलोरी वाला इलाज भी है। इसलिए हमने इससे नंबर एक में रखा है।

खीरा

गर्मियों में हर घरो के फ्रिज में भरकर रखे जाने वाला खीरा, एक ऐसा गर्मियों का भोजन है जो शरीर को डिटॉक्स करता है और त्वचा को स्वस्थ और सुंदर रखता है। इसमें 95 प्रतिशत पानी होता है, जो इसे सुपर हाइड्रेटिंग बनाता है। ये सुपरफूड ₹शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करता है और आपको हाइड्रेटेड रखता है।

दही

दही एक ऐसा दुग्ध-उत्पाद है जिससे आप अपने घर में आसानी से जमा सकते हैं और डेयरी से ला सकते है। अब चाहे आप इसे मीठा खाये या खट्टा, दही आपके गर्मियों के आहार के लिए एक आसान-आसानी है। जब बाहर बहुत गर्मी हो, तो अपने भोजन में दही शामिल करना वह बचाव है जिसकी आपको आवश्यकता होगी।

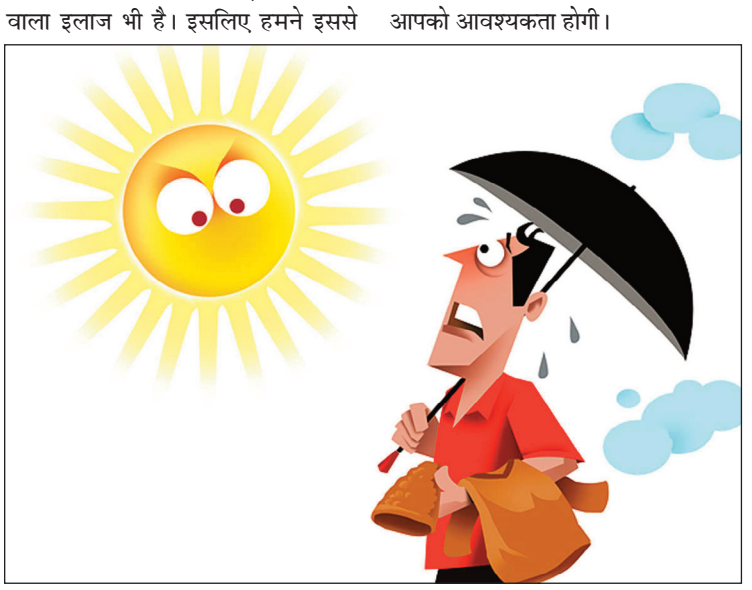

महिला को लिफ्ट देकर बलात्कार करने वाला 12 घंटे में अरेस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 मई , बीती 4 मई की रात्रि में एक महिला कोमल (काल्पनिक नाम) ने थाना क्लेमेंटाउन में आकर लिखित तहरीर दी कि वो 30 अप्रैल को अपने दोस्त का बर्थडे मनाने अपने घर चंडीगढ़ से देहरादून आई थी। 3 मई को रात लगभग 9:30 बजे मेरे दोस्त ने मुझे शिमला बाईपास पर छोड़ा, जहाँ से मुझे एक कार चालक ने लिफ्ट दी और बताया कि वो आईएसबीटी जा रहा है, और मुझे भी आईएसबीटी छोड़ देगा । जिस पर कोमल कार चालक की बातों में आकर कार में बैठ गई जैसे ही वो आईएसबीटी पहुंचे तो कोमल ने कार चालक से गाडी रोकने को कहा तो ड्राइवर ने उसे धमकाते हुए चुपचाप बैठने को कहा और कार के शीशे बंद करते हुए गाडी के दरवाजे लॉक कर दिये। उसके बाद वह उसे जबरदस्ती आशारोडी से आगे जंगल में ले गया, जहां उसने गाडी में ही पीड़िता के साथ जबरदस्ती बलात्कार किया और उसका बैग जिसमें पैसे व अन्य सामान था लूट लिया इतना ही नहीं उस व्यक्ति ने धमकी देते हुए कोमल को वहीं जंगल में छोडकर भाग गया।

घटना की जानकारी देते हुए पीड़िता ने बताया कि वो काफी डर गयी थी तथा डर के कारण रात भर वहीं जंगल में ही छिपी रही। सुबह होने पर किसी तरह आईए-सबीटी तक पहुंची तथा अपने दोस्त को जानकारी करते हुए उससे मिलकर उसे सारी बातें बतायी। लिखित तहरीर के आधार पर तत्काल थाना क्लेमेंटाउन पर सम्बन्धित धाराओं में केस दर्ज़ करते हुए बड़े अफसरों को सुचना दी गयी। घटना की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस उपम-हानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून दिलीप सिंह कुंवर ने पीडित महिला की हर सम्भव सहायता करने तथा अज्ञात वाहन चालक की गिरफ्तारी के आवश्यक दिशा निर्देश दिये ।

इसके बाद तत्काल थाना क्लेमेंटाउन व एसओजी की संयुक्त टीम का गठन किया और अज्ञात वाहन चालक की तलाश घटना स्थल व आने जाने वाले मार्गों के लगभग 150 सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला गया। सीसीटीवी फुटेजों के बाद वाहन संख्याः यू0के0-07-टीबी-7179 का घटना में संलिप्त होना पाया गया। पुलिस टीम द्वारा ने इस वाहन के सम्बन्ध में जानकारी करते हुए चंद घंटे में ही घटना में संलिप्त अभियुक्त मनीष कुमार को उसके गांव खुशहालीपुर बिहारीगढ से गिरफ्तार कर लिया। जिसकी निशानदेही पर महिला से लूटा गया बैग व कपडे बरामद किये गये। अभियुक्त टैक्सी चालक है जो देहरादून से सहारनपुर व अन्य रूटों पर टैक्सी चलाता है।

HDFC Bank खाताधारक ध्यान दें ! विलय से क्या बदलेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 मई , देश की सबसे बड़ी प्राइवेट बैंक HDFC Bank और हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस HDFC का विलय होने जा रहा है। माना जा रहा है कि जुलाई तक इस मर्जर प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। इस विलय के बाद एचडीएफसी हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस HDFC बैंक के नाम से जाना जाएगा। एचडीएफसी हाउसिंग डेवल-पमेंट फाइनेंस कंपनी के ग्राहक HDFC बैंक के ग्राहक बन जाएंगे। इस विलय को लेकर HDFC बैंक और HDFC फाइनेंस के ग्राहकों के मन में सवाल उठ रहे हैं। इस विलय के बाद काफी कुछ बदलेगा। यहां ग्राहकों को एक ही छत के नीचे बैंकिंग और नॉन बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी। वहीं लोन और बैंकिंग सेवाएं एक जगह होने पर ब्रांचों में भीड़ भी बढ़ सकती है। आइए समझते हैं कि इस विलय के बाद क्या-क्या बदल सकता है।

क्या सस्ता होगा HDFC का होम लोन ?

एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी फाइनेंस के इस विलय प्रक्रिया से सबसे ज्यादा असर फाइनेंस कंपनी HDFC के होम लोन ग्राहकों पर पड़ सकता है। लोगों के मन में सवाल है कि क्या इस विलय के लोन सस्ता हो जाएगा? क्या लोन की शर्तें या नियम बदल जाएंगे? क्या ईएमआई पेमेंट में बदलाव होगा? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में उठ रहे हैं। इन सवालों को लेकर इकोनॉमिक्स टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में उन सभी बदलावों के बारे में लिखा है, जो इस विलय के बाद हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक HDFC-HDFC Bank के मर्जर के बाद लोन एक्सटरनल बेंच मार्क लेडिंग रेट (EBLR) से तय होंगे। यानी अगले छह महीने में एचडीएफसी लोन की ब्याज दरें EBLR के आधार पर तय होगी। RBI के नियम के मुताबिक साल 2019 के बाद बैंकों को अपने सभी रिटेल लोन को एक्सटरनल बेंच मार्क लेडिंग रेट से लिंक करना अनिवार्य है। हालांकि फाइनेंशियल कंपनियों के लिए ऐसा नहीं है। इस विलय के बाद HDFC को अपने सभी लोन को एक्स-टरनल बेंच मार्क लेडिंग रेट से लिंक करना होगा।

क्या होगा इसका फायदा

HDFC फाइनेंस को लोन की ब्याज दर ब्याज दर बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट (BPLR) के बजाए एक्सटरनल बेंच मार्क लेडिंग रेट (EBLR) के आधार पर तय करना होगा। आपको बता दें कि बेंचमार्क लेंडिंग रेट(BPLR) एक इंटरनल बेंचमार्क रेट होता है, जो बैंक अपने हिसाब से अलग-अलग पैरामीटर को देखते हुए तय करता है। जबकि एक्सटरनल बेंच मार्क लेडिंग रेट (EBLR) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया तय करती है। यानी विलय के बाद HDFC की ब्याज दरें EBLR से लिंक हो जाएंगी। गौरतलब है कि एक्सटरनल बेंच मार्क लेडिंग पर आधारित ब्याज दर ज्यादा पारदर्शी होती हैं।

घट सकती है ब्याज दरें

अधिकांश समय देखा गया है कि जो लोन EBLR से लिंक नहीं होते हैं वो RBI द्वारा रेपो रेट में कटौती किए जाने पर ग्राहकों को तुरंत ब्याज में कटौती का लाभ नहीं देते हैं। इस मर्जर के बाद HDFC के होम लोन ग्राहकों को ये लाभ रेपो रेट में कटौती होने पर तुरंत मिलेगा। इस विलय के बाद एच-डीएफसी होम लोन ग्राहकों को सस्ती ब्याज दर या फिर लोन अवधि कम करने का तोहफा मिल सकता है। हालांकि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि बैंक इस का अनुसरण करे।

बैंक खाताधारकों के लिए क्या होगा बदलाव

जानकार मानते हैं कि इस विलय के बाद लोन के नियम और शर्तें में बदलाव की संभावना कम है। कर्जदाता मौजूदा रिपेमेंट नियम के हिसाब से अपनी ईएमआई का भुगतान करते रहेंगे। इस विलय के बाद बैंक की जमाएं और कर्ज ज्यादा होंगे। बैंक कम ब्याज दरों पर अधिक पैसा उधार लेने की स्थिति में होगा। इसका लाभ ग्राहकों को मिल सकता है। विलय के बाद नई इकाई में बैंक की करंट अकाउंट और सेविंग अकाउंट लागत घट सकती है। ऐसे में बैंक इसका लाभ ग्राहकों को दे सकता है। बैंक के खाताधारकों के लिए कुछ खास बदलाव नहीं होने वाला है। पहले की तरह इन्हें सभी सुविधाएं मिलती रहेंगी। बैंकिंग सर्विस में कोई बदलाव नहीं होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

दस दिन में छह हजार ही कर पाए हेलीसेवा का प्रयोग

देहरादून। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के शुरुआती दस दिन में महज छह हजार यात्री ही हेलीसेवा का लाभ ले पाए हैं। इस दौरान मौसम खराब होने के कारण करीब चालीस प्रतिशत उड़ाने ही संभव नहीं हो पाई हैं। यूकाडा के आंकड़ों के मुताबिक 25 अप्रैल को कपाट खुलने के साथ ही धाम में हेलीसेवा का भी संचालन हो गया था। तब से चार मई तक कुल 1125 उड़ानें संभव हो पाईं, जिसमें 6227 यात्री धाम पहुंचे, जबकि 5192 ने हेली से वापसी की। जो कि कुल बुकिंग के करीब चालीस प्रतिशत ही है। मौसम की खराबी के कारण उड़ानें संभव नहीं हो पाई, दूसरी तरफ लोग भी तय समय पर हेलीपैड के लिए नहीं पहुंच पाए। यूकाडा के सीईओ सी रविशंकर ने बताया कि चार मई को ही 161 उड़ान के जरिए 885 यात्रियों ने धाम के लिए उड़ान भरी जबकि 262 टिकट बुकिंग के बावजूद निरस्त करनी पड़ी हैं। इधर, आईआरसीटीसी ने बुकिंग विंडो रोज खोलना प्रारंभ कर दी है, जिसमें एक सप्ताह बाद की बुकिंग स्वीकार की जा रही है। इसी क्रम में 12 मई की बुकिंग, शनिवार 06 मई को 12 बजे से प्रारंभ होगी। कंपनी ने लोगों से टिकट बुकिंग के नाम पर ठगी को लेकर भी सतर्क किया है।

पेयजल निगम पेंशनर्स का आंदोलन स्थगित

देहरादून। उत्तराखंड पेयजल पेंशनर्स एसोसिएशन ने मई महीने का प्रस्तावित आंदोलन स्थगित कर दिया है। एसोसिएशन की मांग पर वर्ष 2016 के बकाया एरियर का भुगतान कर दिया गया है। एसोसिएशन ने ग्रेच्युटी और नगदीकरण के भुगतान को दबाव बनाया। एमडी से वार्ता में एसोसिएशन प्रतिनिधिमंडल ने बकाया एरियर का भुगतान होने पर एमडी का आभार जताया। कहा कि यूपी से रिटायर हुए कर्मचारियों को जल्द उत्तराखंड के कर्मचारियों की तरह सभी लाभ दिए जाएं। समय पर पेंशन का भुगतान किया जाए। गोल्डन कार्ड की सुविधा का लाभ दिया जाए। एसोसिएशन ने मुख्यालय स्तर पर समस्याओं का समाधान न होने पर भी नाराजगी जताई। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष पीएस रावत, उपाध्यक्ष पीके शुक्ला, आरके कांबोज, मनमोहन नेगी, ईश्वरपाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

बेरोजगार संघ का आयुर्वेद निदेशालय पर धरना

देहरादून। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक डिप्लोमा बेरोजगार संघ का आयुर्वेद निदेशालय डांडा लखोंड देहरादून में धरना 98 वें दिन भी जारी रहा। नाराज डिप्लोमा धारक बेरोजगारों ने कहा है कि धरने को चौथा महीना शुरू हो चुका है। इसके बाद भी मांगों का निस्तारण नहीं किया गया है। अफसरों ने सीएम से भी मुलाकात नहीं कराई। सीएम से मुलाकात को 25 अप्रैल को कूच करने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस ने बेरोजगारों को गिरफ्तार कर लिया। नाराज बेरोजगार आठ मई को परेड ग्राउंड से सीएम आवास तक पैदल मार्च निकालेंगे। धरने में प्रदेश अध्यक्ष नीतू बड़ोनी, प्रदेश उपाध्यक्ष अम्बिका नेगी, महासचिव संदीप महर, सचिन कुमार, वंदना नेगी, भारती आदि मौजूद रहे।

बिना अनुमति सफाई अभियान चलाने वालों के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

देहरादून। नगर निगम के वार्डों में बिना अनुमति निजी सफाई वाहन चलवाने वालों के खिलाफ निगम का अभियान जारी रहेगा। नगर आयुक्त मनुज गोयल के निर्देश पर प्रतिदिन सुबह और शाम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना ने बताया कि शहर में कई लोग खासतौर से कॉमर्शियल भवनों से कू?े का उठान कर उनसे मनमाना सफाई यूजर चार्ज वसूल रहे हैं। जिसकी निगम को जानकारी तक नहीं दी जा रही। कू?ा लेकर कहीं भी डंप कर दिया जाता है। इसका सफाई व्यवस्था पर काफी बुरा असर प? रहा है। उन्होंने कहा कि वार्डों के लिए पर्याप्त वाहन खरीदे जा चुके हैं। इसलिए नियमों को ताक पर रखकर चल रहे सफाई वाहनों पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर हमले के विरोध में महानगर कांग्रेस की बैठक

हरिद्वार। देहरादून स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई नारेबाजी को लेकर महानगर कांग्रेस ने बैठक करके नाराजगी जाहिर की। महानगर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अमन गर्ग ने कहा कि अगर बजरंग दल वाले सही मायने में बजरंगबली के भक्त हैं तो सबसे पहले जंतर मंतर पर जाकर पहलवान खिलाडियों का समर्थन करें। जो सबसे बड़े बजरंगबली के भक्त हैं।

आने वाला है उत्तराखंड बोर्ड का रिजल्ट, घर बैठे कीजिये चेक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 मई , उत्तराखंड बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन जल्द ही हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2023 का रिजल्ट घोषित कर सकता है. दोनों कक्षाओं के बोर्ड परीक्षा के नतीजे उत्तराखंड बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट ubse.uk.gov.in पर जारी किए जाएंगे. ऑफिशियल वेबसाइट पर लिंक एक्टिव होने के बाद स्टूडेंट्स अपने रोल नंबर का उपयोग कर रिजल्ट चेक कर सकते हैं.

बोर्ड परीक्षा के नतीजे मई के अंत कर आने के संभावना है. उत्तराखंड बोर्ड जल्द ही परिणाम की डेट जारी कर सकता है. परिणाम एसएमएस और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से भी चेक किए जा सकते हैं.

उत्तराखंड बोर्ड परिणाम 2023 में छात्र का विवरण, नंबर आदि महत्वपूर्ण विवरण शामिल होंगे. उत्तराखंड बोर्ड 10वीं परीक्षा और 12वीं परीक्षाएं 16 मार्च से 6 अप्रैल 2023 तक आयोजित की गई थी. Exam सुबह 10 बजे दोपहर 1 बजे तक हुआ था.

ऐसे चेक कर सकते हैं रिजल्ट

स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट ubse.uk.gov.in पर जाएं.रिजल्ट लिंक एक्टिव होने के बाद मैट्रिक या इंटर परिणाम 2023 पर क्लिक करें.रोल नंबर दर्ज और जन्म तिथि दर्ज कर सबमिट करें.Result आपकी स्क्रीन पर आ जाएगा.चेक करें के बाद प्रिंट भी निकाल लें.

एसएमएस से ऐसे चेक कर सकते हैं रिजल्ट –

बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट के अलावा स्टूडेंट्स एसएमएस के जरिए भी Result चेक कर सकते हैं. 10वीं रिजल्ट के लिए स्टूडेंट्स को यूके10 <स्पेस> रोल नंबर टाइप कर 5676750 पर भेजना होगा. वहीं 12वीं रिजल्ट चेक करने के लिए UT12<स्पेस>रोल नंबर टाइप कर 5676750 पर भेजना होगा. रिजल्ट आपके फोन में एसएमएस अलर्ट के रूप में आ जाएगा. बता दें कि 2022 में उत्तराखंड बोर्ड 10वीं और 12वीं का रिजल्ट 6 जून को घोषित किया गया था. मैट्रिक में 1 लाख 29 हजार और इंटर परीक्षा में 1 लाख 13 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे. इस बार भी बोर्ड दोनों कक्षाओं का परिणाम एक साथ घोषित कर सकता है.

क्या आपको पता है पानी क्यों गीला होता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 मई ,यह प्रश्न सिविल सेवा परीक्षा के एक अभ्यर्थी से पूछा गया था। जिसका उनके पास जवाब नहीं था। लेकिन अब आपके पास इसका जवाब जरूर होगा। आपको जान लेना चाहिए कि धरती पर 326 मिलियन ट्रिलियन गैलन पानी मौजूद है। इसमें से 97 फीसदी पानी अकेले समुद्र में है। चूंकि समुद्र में मौजूद पानी नमकीन है, इसलिए इसका इस्तेमाल पीने में नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा 2 प्रतिशत पानी ग्लेशियर्स के आइस कैप्स के रूप में धरती पर है। हालांकि, इस पानी का भी उपयोग इंसान नहीं कर सकता है। अब आपको इस सवाल का जवाब बताए तो पानी का गीला लगने के पीछे एक साइंस है। पानी से जुड़े कई ऐसे फैक्ट्स हैं जो आपको हैरान कर सकते हैं। आपको बता दे पानी या जल एक प्रकार का द्रव्य है जो कि हाइड्रोजन और ऑक्सीजन एलिमेंट्स के मिलने से बनता है। पानी में ऑक्सीजन मौजूद होता है और ऑक्सीजन में नमी रहती है। इस नमी

के कारण ही पानी गीला होता है। और इसी वजह से पानी हमें गीला लगता है। सरल भाषा में कहें तो जल में ऑक्सीजन होता है और ऑक्सीजन में नमी होती है इसी नमी की बजह से पानी गीला होता है (यह ऑक्सीजन का द्रव रूप है) दरअसल पानी गीला है ही नहीं, पानी को लेकर हमें जो अनुभव होते हैं हम उसे गीलापन कह देते हैं

संपादकीय

मणिपुर क्यों जल उठा?

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर अचानक जल उठा है। एक आदिवासी समुदाय दूसरे अंतर्जातीय वर्ग को मारने-काटने पर आमादा है। मैतेई और कुकी, नगा समुदाय सनातन दुश्मन रहे हैं, जबकि वे मणिपुर के ही निवासी और नागरिक हैं। हालात इतने उबल चुके थे कि करीब 9000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर या शिविरों में भेजना पड़ा। कफ्र्यू लगा है, धारा 144 लागूहै और इंटरनेट-मोबाइल बेमियादी तौर पर बंद हैं। सेना, असम राइफल्स और स्थानीय पुलिस के हजारों जवान तैनात किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रक्षा मंत्रालय को पत्र लिख कर वायुसेना की सेवाएं मांगी हैं, ताकि विभिन्न केंद्रों से अद्र्धसैन्य बलों के जवानों को एयरलिफ्ट कर मणिपर के जलते-उबलते जिलों तक पहुंचाया जा सके। सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर घोषणा राज्यपाल ने की है कि दंगाइयों को देखते ही गोली मार दी जाए। यह बेहद असामान्य स्थिति है। मणिपुर निवासी, छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एवं राज्यसभा सांसद मैरी कॉम को, सोशल मीडिया के जरिए, प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को गुहार लगानी पड़ी है कि मेरा राज्य मणिपुर जल रहा है। कृपा करके इसे बचा लें और शांति बहाल करें।' संवेदनशील और चिंतित पक्ष यह है कि मणिपुर से म्यांमार की सरहद लगती है और वहां भी हालात बेहद हिंसक हैं। हालात आग में घी का काम कर सकते हैं। दरअसल मणिपुर उच्च न्यायालय ने हाल ही में निर्देशात्मक निर्णय सुनाया था कि राज्य सरकार मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने पर विचार करे और भारत सरकार को अनुशंसा भी भेजे। यदि ऐसा कोई निर्णय करना है और जनजाति में किसी समुदाय को शामिल करना है, तो राष्ट्रीय आयोग और केंद्रीय कैबिनेट ही फैसला ले सकते हैं। मामला संसद में भी विचारार्थ रखा जा सकता है। अन्य आदिवासी समुदायों ने उच्च न्यायालय के फैसले का विरोध किया है, नतीजतन मणिपुर एकदम धू-धूकर जलने लगा है। आंदोलित आदिवासियों की आशंका है कि मैतेई उनके अधिकारों, आरक्षण, भूमि और संसाधनों पर कब्जा कर सकते हैं, क्योंकि वे अपेक्षाकृत सम्पन्न, विकसित और ताकतवर हैं। राज्य की करीब 38 लाख आबादी में करीब 53 फीसदी मैतेई हैं। इंफाल घाटी मैतेई बहुल ही है। हालांकि मैतेई राज्य के 10 फीसदी भू-भाग में ही बसे हैं। नगा, कुकी आदिवासी समुदाय शेष 90 फीसदी क्षेत्रफल में रहते हैं, लेकिन उनकी आबादी कम है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कक्षा 5 के छात्रों के पास 1943 में कॉमर्स विषय था, यह वायरल प्रश्न पत्र सबूत है

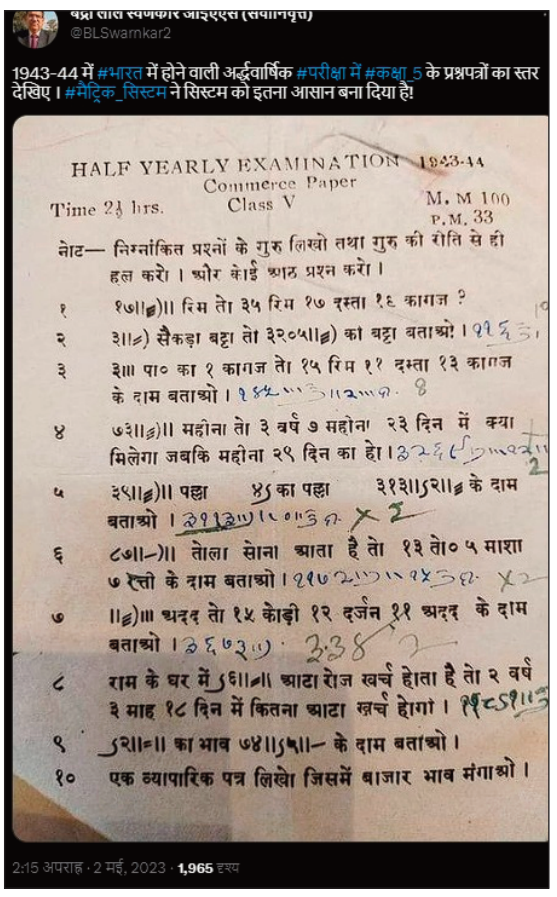

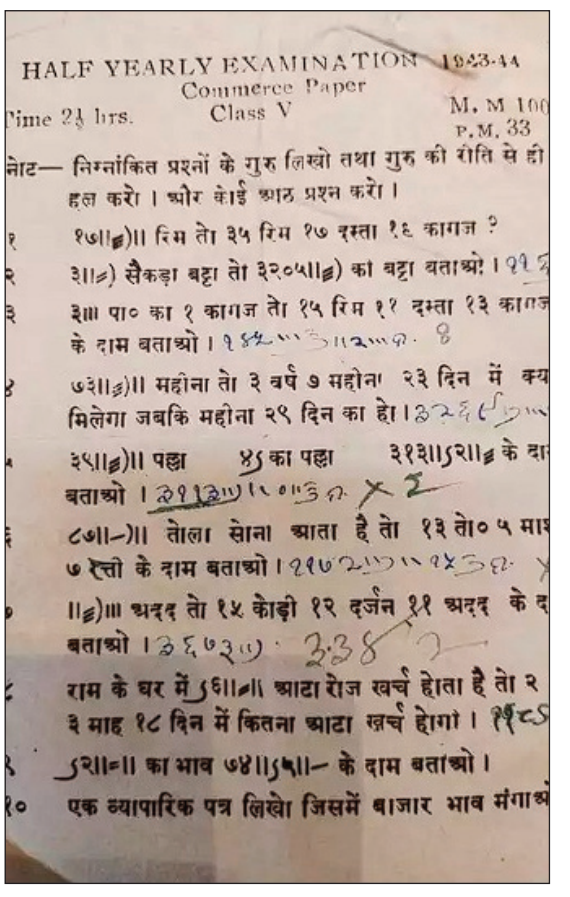

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 मई सोशल मीडिया पर साल 1943 के कक्षा 5 के प्रश्न पत्र की एक तस्वीर वायरल हो रही है। स्वतंत्रता-पूर्व युग का प्रश्न पत्र IAS बद्री लाल स्वर्णकार द्वारा ट्विटर पर पोस्ट किया गया था।

स्वर्णकार ने प्रश्नपत्र ट्वीट करते हुए लिखा ₹परीक्षा का प्रश्न पत्र वाणिज्य विषय के लिए है। ₹भारत में 1943-44 में हुई अर्द्धवार्षिक परीक्षा में कक्षा पांचवीं के प्रश्नपत्रों का स्तर देखिए। मैट्रिक सिस्टम ने व्यवस्था को इतना आसान बना दिया है !₹ 1943-44 के वाणिज्य पेपर के लिए अधिकतम अंक 100 हैं और उत्तीर्ण अंक 33 हैं। परीक्षा की अवधि 2.5 घंटे है ।प्रश्नों में से एक सोने की कीमत निर्धारित करने के लिए कहता है। दूसरा आटे पर खर्च किए गए पैसे के बारे में पूछता है। छात्रों को एक अन्य प्रश्न में एक व्यावसायिक पत्र लिखने के लिए कहा गया ।जबकि कक्षा 5 के छात्रों के पास कॉमर्स एक विषय के रूप में नहीं है, 80 साल पहले, बच्चों ने सीखा कि कॉमर्स क्या है और बुनियादी गणित को इसकी अवधारणाओं पर कैसे लागू किया जाता है। आज के 10 साल के बच्चों के लिए इस प्रश्न पत्र का कठिनाई स्तर काफी अधिक है। यदि आपको 10 वर्ष की आयु में हल करना होता तो आप कितने प्रश्न हल कर पाते?

पीएम मोदी का विजन : युवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश को विशेष पहचान दिलाएं : डॉ0 भारती प्रवीन पवार

योगा एंड मेंटल हैल्थ, समग्र और आध्यात्मिक स्वास्थ्य और खेल पर पैनल डिस्कशन का आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 6 मई , एम्स ऋषिकेश में आयोजित यूथ-20 कंन्सल्टेशन समिट के दूसरे दिन उदघाटन के दौरान होलेस्टिक हेल्थ को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ0 भारती प्रवीन पवार ने कहा कि स्वस्थ युवा ही देश के विकास में अपनी शक्ति लगा सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि देश का प्रत्येक युवा शारीरिक और मानसिक तौर से पूर्ण स्वस्थ हो। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए हमें युवाओं का भविष्य संवारना होगा।

जी-20 देशों के विभिन्न युवा प्रतिनिधियों द्वारा स्वास्थ्य और युवाओं के समग्र विकास पर आधारित सामूहिक परिचर्चा यूथ-20 समिट के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों में देर सांय तक जारी रही। शुक्रवार को समिट के मुख्य अतिथि के तौर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ0 भारती प्रवीन पवार ने यूथ-20 सम्मेलन की प्राथमिकताओं पर व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि हमारे देश के युवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश को विशेष पहिचान दिलाएं। यह तभी संभव है जब देश के युवा स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्वस्थ युवा ही देश के विकास में अपनी शक्ति लगा पाएंगे। कहा कि मोदी जी के विजन का ही परिणाम है कि आज देश में डेढ़ लाख से अधिक हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। खेलों के माध्यम से युवाओं को अन्तराष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में शुरू की गयी 'खेलो इंडिया योजना' को उन्होंने युवाओं के भविष्य के लिए विशेष कल्याणकारी योजना बताया। केन्द्रीय मंत्री भारती पवार ने ऋषिकेश एम्स द्वारा संचालित टेलिकंन्सलटेशन और ड्रोन द्वारा सुदूर इलाकों तक दवा पहंुचाने की सुविधा का जिक्र करते हुए इसे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बहुलाभकारी योजना बताया और इस योजना के संचालन के लिए एम्स ऋषिकेश की सराहना की। उन्होने युवाओं से आह्वान किया कि वह अपने हौसले को मजबूत बनाना सीखें। मजबूत हौसले से ही हमें कामयाबी मिलती है। यूथ-20 के आयोजन को उन्होंने युवाओं के लिए एक वैश्विक मंच बताया और कहा कि केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

अनुराग ठाकुर के मार्गदर्शन में देश भर के विभिन्न स्थानों में आयोजित किए जा रहे यूथ-20 सम्मेलन से हमारे देश के युवाओं एक नई दिशा और विकास परक सोच हासिल होगी।

इससे पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती पवार का स्वागत करते हुए एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो0 मीनू सिंह ने यूथ-20 समिट के अन्तर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न इंवेट कार्यक्रमों को युवाओं का भविष्य सुधारने की दिशा में विशेष अवसर बताया। कहा कि इस समिट में देश और विदेशों के 700 से अधिक युवा प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा कर रहे हैं। कार्यक्रम को यूथ-20 के अध्यक्ष अनमोल सोवित ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार का विजन है कि देश को वर्ष 2050 तक स्वर्णिम राष्ट्र बनाना है। यह तभी संभव होगा जब देश के युवा हेल्थ एण्ड स्पोटर्स के एजेन्डे पर स्वयं को मजबूत करते हुए आगे बढ़ेंगे। उन्होंने चिन्ता जताते हुए कहा कि देश के 30 प्रतिशत युवा वर्तमान में विभिन्न कारणों से डिप्रेशन का शिकार हैं। इसके लिए जरूरी है कि वह मानसिक तौर से अपने को स्वस्थ बनाए रखने के लिए योगा और आध्यात्म को अपनाएं। विशिष्ट अतिथि उत्तराखण्ड सरकार के वित्त और नगर विकास मंत्री प्रेम चन्द अग्रवाल ने उम्मीद जतायी कि इस सम्मेलन से देश के युवा देश हित में अपनी सोच विकसित करने की प्रेरणा हासिल करेंगे और विश्व को नई दिशा प्रदान करने में सक्षम होंगे।इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री भारती पवार ने एम्स के हेलीपैड सहित अस्पताल का निरीक्षण किया और अधिकारियों सहित चिकित्सकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल, डीन एकेडेमिक्स प्रो0 जया चतुर्वेदी, दिल्ली एम्स के निदेशक प्रो0 श्रीनिवास, मंगलागिरी एम्स के निदेशक प्रो0 मुकेश त्रिपाठी, एम्स रायबरेली के निदेशक प्रो0 अरविन्द राजवंशी, एम्स गुवाहाटी के निदेशक प्रोफेसर अशोक पुराणिक, एम्स ऋषिकेश के वित्तीय सलाहकार ले0 कर्नल एस सिद्धार्थ, प्रशाशनिक अधिकारी गौरव बडोला सहित डॉक्टर गीता नेगी, डॉक्टर मोनिका पठानिया, डॉक्टर नीति गुप्ता, डॉक्टर मयंक मिश्रा, डॉक्टर भावना गुप्ता, डॉक्टर दलजीत, डॉक्टर प्रियंका, डॉक्टर मृदुल धर, डॉक्टर कल्याणी, डॉक्टर अनीश गुप्ता, डॉक्टर शाजिया, डॉक्टर आशीष भूते, डॉक्टर प्रखर शर्मा, डॉक्टर वंदना धींगरा, डॉक्टर विनोद सहित संस्थान का विभिन्न स्टॉफगण मौजूद रहे।

अन्य कार्यक्रम -

यूथ 20 कन्सल्टेशन इवेन्ट के दूसरे दिन एम्स के ऑडिटोरियम में प्रातःकाल योग सेशन आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 70 देशी-विदेशी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर फिनलैंड की योग मर्मज्ञ मैडम हैडी ने युवा साधकों से योग विधा को अपनी दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करने का आह्वान किया। योग सत्र में एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉं. मीनू सिंह, डॉं. वंदना ढींगरा, डॉं. प्रखर शर्मा, डॉं. रोहित गुप्ता, डॉं. पंकज शर्मा, डॉं. विनोद, डॉं. पूजा भदोरिया, एम्स आयुष विभाग के योग इंसट्रक्टर दीपचंद जोशी, संदीप भण्डारी, अमित भारद्वाज, बीना आदि मौजुद थे।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) ऋषिकेश में आयोजित दो दिवसीय यूथ 20 कन्सल्टेशन इवेन्ट के तहत शुक्रवार को योगा एंड मेंटल हैल्थ विषय पर पैनल डिस्कशन सत्र आयोजित किया गया जिसमें विशेषज्ञों ने योग से जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलावों पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। इस सत्र में पेनलिस्ट फिनलेंड की प्रमुख योगाचार्य व आध्यात्मिक शिक्षिका हैडी सोक्का, न्यूरो-साइक्रेटिक हैदराबाद डॉ. चरण तेजा कोगांत, योगा एक्सपर्ट एंड एंटरप्रेन्योर गोवा श्रद्धा जैन, इंडियन फॉरन सर्विस (आईएफएस) स्वेता बंसल, निदेशक एआईएमएस मोहाली डॉ. भवनित भारती, प्रमुख योगा दर्शन शिक्षक हरे कृष्णा दास, दिल्ली एम्स के निदेशक प्रो. एन.श्रीनिवासन व डॉ. अशोक खुराना शामिल थे । जबकि विशेषज्ञों से सवाल करने वाले मॉडरेटर डॉ. मयंक मिश्रा व रूचिता मिश्रा थे।

यूथ-20 समिट के तहत विभिन्न विषयों पर पैनल डिस्कशन के माध्यम से युवाओं ने अपने विचार साझा किए। डिस्कशन सेशन एक पहले सत्र में समग्र और आध्यात्मिक स्वास्थ्य' विषय पर हुए पैनल डिस्कशन में नशे की लत की वजह पर प्रश्न किए गए। इस सत्र के चेयरपर्सन प्रो. सुनील सैनी और डॉ. राजेंद्र डोभाल और मॉडरेटर डॉ. वेणुगोपाल दमरेला तथा नीतू कैंथ थी। जबकि पैनलिस्टों में डॉ. सरस्वती हेगड़े, जीवा जी हैमंड, निशांत शर्मा, डॉ शीतल सोनी, इंद्र धर और मणिदीपा मांजी ने प्रतिभाग किया। इस दौरान समग्र स्वास्थ्य और चर्चा पर चर्चा के बाद कई प्रश्नों के माध्यम से युवाओं ने अपनी बात रखी। मॉडरेटर्स ने नशे की लत की परिभाषा पर सवाल किया।

यूथ .20 समिट के तीसरे सत्र में आयोजित पैनल डिस्कसन में खेल और फिटनेस विषय पर चर्चा की गई। इस सत्र में पेनलिस्ट कर्नल आर एस जामवाल, प्रख्यात पर्वातारोही, ले कर्नल डी डी गोयल, विदिषा बालियान ऐथलीट, भरत सचदेवा हेल्थ कनस्लटेंट, इलयाष पटेल, डॉ साइकत मन्डल सीनियर क्लीनिकल फैलो शामिल थे। जबकि सवाल करने वालों में मोडरेटर सेवानिर्वत प्रो ले0 कर्नल अकुंर सब्बरवाल साइकोलोजिस्ट, एम्स ऋषिकेश की डॉ0 भावना गुप्ता शामिल थे।

एम्स मंगलागिरी के निदेशक प्रो0 मुकेश त्रिपाठी ने बताया कि खेल में हार को स्वीकार करके फिर से जीत की उम्मीद बनाए रखना अनिवार्य होता है। पर्वतारोही कर्नल आरएस जामवाल से पूछे गए सवाल के जबाव में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और इस क्षेत्र को साहसिक और चुनौती पूर्ण बताया। दो दिन के इस सम्मेलन का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ.0

अंतरराष्ट्रीय मिडवाइव्स दिवस मनाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय जौलीग्रांट में अंतरराष्ट्रीय मिडवाइव्स दिवस मनाया गया। वक्ताओं ने नर्सिंग छात्र-छात्राओं को सुरक्षित मातृत्व में मिडवाइव्स की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। हिमालयन कॉलेज ऑफ नर्सिंग के अब्स्टेट्रिक्स एवं गायनोकॉलोजिकल विभाग ने नर्सिंग सभागार में गोष्ठी आयोजित की। प्रिंसिपल नर्सिंग कालेज डॉ. संचिता पुगाजंडी ने नर्सिंग छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नर्स और मिडवाइव्स (दाई) स्वास्थ्य सेवा मुहैया करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ये वो लोग हैं जो अपनी जिंदगी एक मां और बच्चे की देखभाल करने में बिता देते हैं। ये लोगों को स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां देती हैं। मिडवाइव्स अक्सर, अपने समुदायों में देखभाल का पहला और एकमात्र माध्यम होती है। कहा कि सुरक्षित मातृत्व सहित स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय कार्यक्रम के क्रियान्वयन में मिडवाइफ की भूमिका सराहनीय है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य के दूर-दराज के क्षेत्रों में तैनात मिडवाइफ प्रशंसनीय कार्य कर रही है। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की डॉ. रूचिरा नौटियाल ने कहा कि पुराने समय में प्रसव करवाने के लिए अलग से महिलाएं बुलाई जाती थी, जिन्हें दाई अम्मा कहा जाता था। लेकिन समय बदलने के साथ उच्च शिक्षित और प्रशिक्षण पाकर मिडवाइफ प्रसव करवाती हैं। इन महिलाओं के प्रति आभार प्रकट करने के लिए पूरे विश्व में मई महीने की 5 तारीख को हर साल अंतराष्ट्रीय मिड वाइव्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। इनके होने से सामान्य प्रसव की संभावनाएं कई गुना बढ़ जाती है। मौके पर डॉ. कमली प्रकाश, रीना हाबिल, जैबूनिशा, डॉ. हरलीन कौर, सीमोन चानू, डॉ. सिल्विया देवी, डॉ. वंदना, उपमा जार्ज, डॉ. कंचन बाला, लक्ष्मी कुमार, प्रवीन, गीता सिंह, सोनिया रावत आदि उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार और उसके नेताओं की बुद्धि शुद्धि हेतु हनुमान चालीसा का पाठ किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर से लेकर अभी तक कांग्रेस की राजनैतिक गोष्ठियों और रणनीतियों पर चर्चा का केंद्र रहा ऐतिहासिक तिलक भवन का माहौल शुक्रवार को बदला नजर आया। तिलक भवन में कांग्रेस कार्यकर्ता तो इकठ्ठा हुए लेकिन राजनैतिक चर्चा के बजाय यहां जयकारा वीर बजरंगी और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ हनुमान चालीसा का सस्वर वाचन किया गया। इसके साथ ही हवन भी किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बताया कि भाजपा सरकार की बुद्धि-शुद्धि के लिए हवन किया जा रहा है।

एक घंटे तक हनुमान चालीसा का पाठ करने के बाद कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष अभिनव ठाकुर ने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता कर्नाटक में पीएफआई और बजरंग दल पर प्रतिबंध को लेकर देश की जनता को गुमराह कर लगातार झूठ बोल रहे हैं। इससे जाहिर होता है कि भाजपा नेताओं की बुद्धि भ्रष्ट हो चुकी है। कहा कि, बजरंग बली संपूर्ण सृष्टि के भगवान हैं, जो इस जगत के कण-कण में विद्यमान हैं। भाजपा संपूर्ण सृष्टि के भगवान बजरंग बली को एक छोटी सी संस्था बजरंग दल से जोड़ रहे हैं। कहा कि, कोई संस्था समाज में वैमनस्यता फैलाकर जनता पर जुल्म करती है तो उसका नामकरण किसी भगवान के नाम पर रख देने मात्र से संस्था के दोषों का निवारण नहीं हो सकता।

शहर अध्यक्ष कितेश जायसवाल ने कहा कि जतंर-मंतर पर देश की बेटियां भाजपा सांसद के खिलाफ आंदोलन कर रही हैं, लेकिन देश को पदक दिलाने वाली इन बेटियों की समस्या सुनने को प्रधानमंत्री तैयार नहीं है। अंकित भंडारी हत्याकांड में दोषी वीआईपी का खुलासा करने को डबल इंजन की सरकार तैयार नहीं है। प्रदेश सरकार के मंत्री सडक़ पर गुंडागर्दी कर रहे हैं। बावजूद इसके भाजपा नेता झूठ बोलकर देश की जनता को आपस में बांटने का काम कर रही है। लिहाजा भाजपा सरकार और उसके नेताओं की बुद्धि शुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ करने वालों में पीसीसी सदस्य संजय जैन, प्रदेश सचिव विकास शर्मा, हरबर्टपुर नगर अध्यक्ष आशीष पुंडीर, पूर्व जिला महासचिव राजीव शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, भुवन चंद्र पंत, सेवा दल प्रवक्ता भाष्कर चुग, बेलीराम ठाकुर, अनीता शर्मा, कुंवर पाल सिंह, सुबोध वर्मा, अनुपम कपिल, संदीप भटनागर, इलम चंद मुल्तानी आदि शामिल रहे।